VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1837)

Name of Candidate	RAKESH KUMAR MEENA		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	19016
Center	ONLINE	Date	8/9/2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Scanned with CamScanner

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. (a) Explain why altruism constitutes one of the core values in public life. In this regard, suggest some measures to foster altruistic behaviour in public services. (150 words) 10

स्पष्ट कीजिए कि परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्यों में से एक क्यों है। इस संबंध में लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

परोपकारिता :- गीता में 'परोपकारिता सर्वोधर्मः' अर्थात सबसे बड़ा धर्म - दूसरों की सेवा में लगाना है।

विवेकानंद जी ने भी मनुष्य की सेवा को ईश्वरीय सेवा के समकक्ष बताया है।

सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्य क्यों?

① शांति जैसे मूल्य परोपकारिता के संगत

[Eg] → बाबा आम्टे द्वारा Leprosy मरीजों की सेवा से

② मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त

[Eg] → भारत द्वारा श्रीलंका की मदद करना

③ व्यक्तिगत स्तर पर भी प्रसन्नता का भाव

[Eg] → flood रिलीफ सहायता करना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

लोक सेवाओं में 'परोपकारिता' बढ़ाने के उपाय :—

1. नवाचार को प्रोत्साहित करना
   Ex दिव्या देवराजन (Bodi आदिवासी क्षेत्र) बेहतर जनजातीय विकास

2. नागरिक केन्द्रित प्रशासन को बढ़ावा देना।
   Ex सोशल ऑडिट, सिटिजन चार्टर

3. पारदर्शिता तथा जवाबदेहिता को बढ़ाना।
   Ex RTI कानून को मजबूत बनाना

4. संवेदनशील प्रशिक्षण को बढ़ावा देना।
   Ex प्रशांत नायर (IAS) - ऑपरेशन सुलेमानी

5. बेहतर तकनीक का समावेशन तथा मांग आधारित प्रशासन को विकसित करना।
   Ex mygov.in, जनसूचना पोर्टल

'परोपकारिता' जैसे मूल्य सिविल सेवाओं तथा सामाजिक दोनों स्तर पर Holistic development के लिए आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

1. (b) Certain actions can be right even though they do not maximize good consequences, for the rightness of such actions consists in their representing certain norms. Discuss with examples. **(150 words) 10**

कुछ कार्य सही हो सकते हैं, भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें, क्योंकि ऐसे कार्यों का औचित्य उनमें शामिल कुछ मानदंडों में निहित होते हैं। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

गीता तथा कांट का नीतिशास्त्र साध्य की तुलना में साधन अर्थात कार्य को महत्वपूर्ण मानते हैं। इनके अनुसार सिर्फ कर्तव्य आधारित कार्य करना ही सर्वोत्तम शुभ है (निष्काम कर्म तथा categorical imperative)

वर्तमान समय में राजस्थान में काफी लम्पी वायरस का अत्याधिक फैलाव जिससे जानवरों की मौतें हुई हैं। इस अवस्था में टीकाकरण की दर चाहे कितनी भी तेज हो फिर भी अनेकों गायों को नहीं बचाया जा सका।

आतंकवाद के विरुद्ध भारत सरकार द्वारा मानवतावादी मापदंडों के आधार पर UN में एक आतंकवाद विरोधी व्यापक अधिसमय प्रस्तुत किया जिसे अभी तक

Scanned with CamScanner

UN के द्वारा पारित नहीं किया गया।

यूथेनेशिया तथा Abortion के संबंध में भी यही मत प्रचलित है कि क्या किसी व्यक्ति के जीवन को समाप्त करने का अधिकार किसी के पास है।

वैवाहिक बलात्कार, IPC की धारा 377 तथा व्यभिचार सामाजिक न्याय व लैंगिक समानता जैसे नैतिक मानदंडों के आधार पर सही कार्य हैं लेकिन समाज के रूढ़िवादी लोग इसे पसंद नहीं करते हैं।

मिल के उपयोगितावादी दृष्टिकोण तथा जॉन लॉक के 'Right based Approach' दोनों में बेहतर संतुलन कार्य की नैतिकता को Justify कर सकता है।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) With the help of appropriate examples, discuss the ethical challenges involved in policing in India. Also, highlight the reasons behind corruption in the police force.
(150 words) 10

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से भारत में पुलिसिंग (पुलिस व्यवस्था) में शामिल नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणों पर प्रकाश डालिए।

पुलिस भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था का प्रमुख अंग है जिसका प्रमुख कार्य कानून व्यवस्था को कुशल रूप से चलाकर शांति स्थापित करना है।

नैतिक चुनौतियाँ :-

1. वोहरा समिति के अनुसार राजनीतिक - प्रशासनिक Nexus

2. लैंगिक असमानता
   Eg - पुलिस कार्यबल में केवल 11% महिलाएँ

3. संवेदनशीलता का अभाव
   Eg झारखंड तबरेज अहमद घटना

4. कैदियों के प्रति अत्याचार (मानवाधिकारों का उल्लंघन
   Eg तमिलनाडु में custodial death

पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण :-

① ब्रिटिश कालीन कानून का चलन
(जैसे आरक्षीयक्ट वर्ष 1860 → IPC 124A जैसी धाराएँ)

② आपराधिक न्यायिक प्रणाली का लचर होना
(जैसे मालिमथ समिति का सुझाव)

③ राजनीति का अपराधीकरण
(जैसे पद्मनाभैय्या समिति)

④ न्यायिक मामलों का अत्यधिक लंबित होना

सुप्रीम कोर्ट द्वारा सिविल सेवा बोर्ड गठन, प्रकाश सिंह मामले में व्यापक पुलिस सुधार की जो पेशकश की गई है उनका राज्यों द्वारा बेहतर ढंग से क्रियान्वयन किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

2. (b) A right combination of spirit and structure is integral to ethical corporate governance. Discuss. (150 words) 10

भावना और संरचना का सही संयोजन नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अभिन्न अंग होता है। चर्चा कीजिए।

OECD के अनुसार कॉरपोरेट गवर्नेंस → संगठन द्वारा निर्धारित लिखित प्रक्रियाओं का पालन राज्य के कानून के अनुसार करना

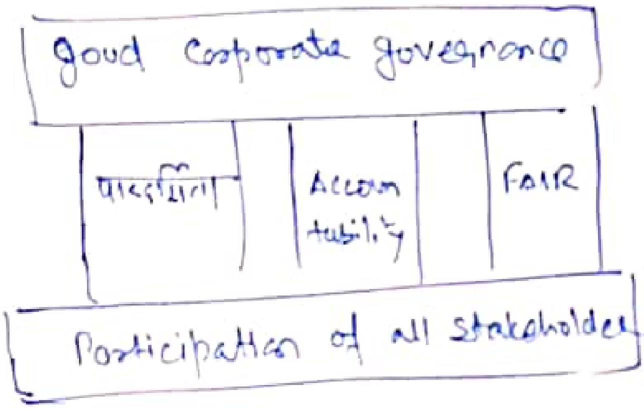

Spirit (भावना) तथा संरचना का सही संयोजन 'आत्मात्मक ट्रेनिंग' (नारायणमूर्ति) को बढ़ावा देता है।

eg TATA समूह द्वारा अमूल्य (दिव्यांग जनों को vocational training)

eg वेदांता समूह द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों को नंदघर में परिवर्तित करना

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ मत लिखें)

वहीं दूसरी तरफ आत्माओं तथा संस्थाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है।

- क्रोनी कैपिटलिज्म (कोयला ब्लाक आवंटन)
- भाई भतीजावाद (ICICI → चंदा कोचर मामला)
- सांठ-गांठ (DHFL कंपनी)
- निजी कंपनी द्वारा Predatory Pricing

अतः आत्मा तथा संरचना को सही करने के लिए कुमार मंगलम, कोटक समिति तथा सामाजिक दायित्व संबंधी इंजेती श्रीनिवास समिति की सिफारिशों को लागू कर बेहतर निगमित शासन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ न लिखें)

3. (a) It is not only public servants, but also the common citizens who play a key role in institutionalising high standards of ethical conduct and good governance. Elaborate. (150 words) 10

न केवल लोक सेवक, बल्कि आम नागरिक भी नैतिक आचरण और सुशासन के उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

नैतिक आचरण → समाज तथा राज्य मे स्थापित कानूनो व नियमों अनुसार स्वीकार्य करना।

सुशासन : UNDP के अनुसार – सरकारी कामकाज में पारदर्शिता के साथ नागरिक भागीदारी।

लोकसेवक की भूमिका –

① समाज में जनभागीदारी बढाने के लिए

Eg प्रशांत नायर → 'हैरे मेरे बीच मे' अपशिष्ट प्रबंधन में

② महिला सशक्तिकरण में

Eg सुरेन्द्र सिंह सोलंकी – SHG के माध्यम से solar lamp project

③ आत्मनिर्भर बनाने में

Eg सामंता सबरवाल 'funding your city' Project

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आम नागरिक की भूमिका

① समाज के वंचित वर्गों के प्रति

Ep कैलाश सत्यार्थी 'बचपन बचाओ आंदोलन'

② पर्यावरण के प्रति लेकर संवेदनशीलता

Ep राजेन्द्र सिंह the waterman of India

③ सुशासन में भागीदारी करके

Ep मजदूर किसान शक्ति संगठन 'RTI एक्ट पास करने में

④ भ्रष्टाचार लोकसेवकों पर लगाम लगाए

Ep अन्ना हजारे का 'भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन'

इस प्रकार लोकसेवक के साथ आमजन की भागीदारी बेहतर समाज निर्माण में महत्वपूर्ण हो सकती है और यही common good Approach हो सकती है

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

3. (b) Public administration in India suffers from the 'working-in-silos' culture. In this context, discuss the importance of cooperation, coordination and collaboration for efficient governance. (150 words) 10

भारत में लोक प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति ('वर्किंग-इन-साइलो' कल्चर) से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहभागिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

2nd ARC में लोक प्रशासन को परिपरावादी 'एकाकी कार्य' संस्कृति से ग्रस्त बताया है जिसके अनुसार लोकप्रशासन का कार्य निजी प्रशासन के साथ कार्य न कर अधिकांश क्षेत्रों में एकाधिकार करना है।

eg 1991 से पूर्व MRTP Act के तहत लाइसेंस परमिट राज तथा अधिकांश क्षेत्रों में (रक्षा, परमाणु, अंतरिक्ष, संचार आदि) एकाधिकार

अभी भी सरकार कल्याणकारी कार्यों के कारण 'एकाकी कार्य' संस्कृति का पालन करती है जो सुशासन के लिए सही कार्य संस्कृति नहीं है।

सहयोग, समन्वय व सहभागिता का महत्व :-

(1) संसाधनों का बेहतर उपयोग

eg PPP परियोजनाओं में, जोखिम साझेदारी

② विभिन्न मंत्रालयों में समन्वय से बेहतर कार्यीकरण
Eg. पोषण 2.0 अभियान में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा तथा पंचायती राज मंत्रालय

③ सरकार की minimum government and maximum governance की धारणा के समरूप

④ अंतरिक्ष क्षेत्र में नवाचार, ISRO का मुख्य ध्यान केवल अंतरिक्ष खोजों में
Eg INSPACE तथा ANTRIX के माध्यम से निजी भागीदारी

⑤ सेवाप्रदाता के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका,
Eg EODB रैंकिंग में सुधार

⑥ सूचना प्रौद्योगिकी युग में निजता व राष्ट्रीय हितों का समाधान
Eg बेहतर साइबर सुरक्षा

अतः वर्तमान समय सरकार का बहुलवाद कार्य संस्कृति को बढ़ावा दे रही है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) While emotional intelligence is an essential tool for a public servant, it can also be misused to manipulate people to act against their own interests. Discuss with examples. **(150 words) 10**

हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन होता है, लेकिन लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EI) :· स्वयं की भावनाओं तथा दूसरे की भावनाओं को प्रबंधित कर उसका सामाजिक हित में प्रयोग करना।

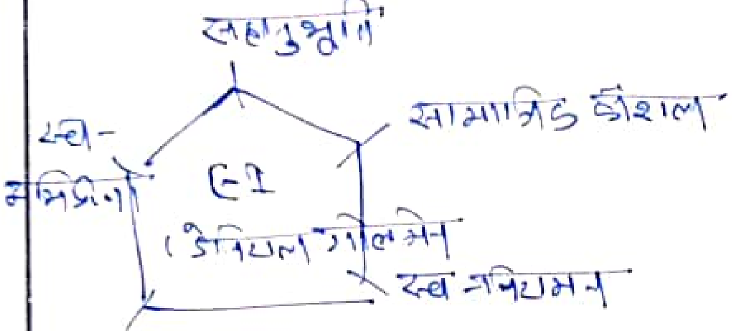

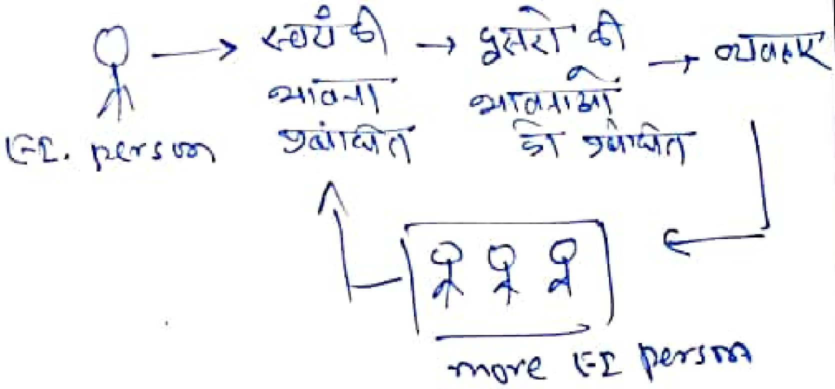

लोक सेवक के लिए आवश्यक साधन :-

① तनाव प्रबंधन ② कार्य-जीवन संतुलन

③ बेहतर नेतृत्व क्षमता ④ अच्छी कार्यसंस्कृति का निर्माण

⑤ निर्णय निर्माण में योगदान ⑥ सामाजिक सौहार्द में उपयोग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अपने हितों के विरुद्ध प्रयोग

1. आतंकवादी समूहों द्वारा युवाओं को कट्टरपंथी विचारों से अवगत करना।

   Eg. लोन वुल्फ अटैक

2. सोशल मीडिया पर भावनात्मक अपीलें

   Eg. गौ-तस्करी को लेकर मोहम्मद अखलाक की हत्या

3. राजनीति में वोट बैंक के लिए भावनात्मक अपीलें

   Eg. हेट स्पीच का प्रयोग

अतः भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग सामाजिक सौहार्द तथा सामाजिक ताने-बाने को बेहतर बनाने के लिए किया जाना चाहिए ताकि सर्वजन कल्याण सुनिश्चित हो सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) Social influence is an ambivalent concept. It can be a source for good, bad and even for evil. Discuss with the help of relevant examples.
(150 words) 10

सामाजिक प्रभाव एक द्विभावात्मक अवधारणा है। यह अच्छे, बुरे और यहां तक कि अशुभ के लिए भी एक स्रोत हो सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

सामाजिक प्रभाव:- किसी व्यक्ति, समूह या संगठन का समाज के विशिष्ट वर्ग तक बेहतर पहुँच जो अनेक कार्यों का अनुसरण के लिए अभिप्रेरित होते हैं।

Ex स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी जी की अहिंसा पद्धति का समर्थन

सामाजिक प्रभाव —

(A) अच्छा स्रोत:-

(1) सामाजिक समावेशन में योगदान

Ex विनोबा भावे का भूदान/ग्रामदान आंदोलन

(2) मूल्य निर्माण के प्रोत्साहन में

Ex धोनी का शांत, धैर्य व्यक्तित्व
अनिल कुंबले का 'सादगी' व्यक्तित्व

Scanned with CamScanner

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

(3) पारिवारिक मूल्यों के संरक्षण में
Eg- राम के चरित्र का

(B) बुरे तथा अशुभ स्रोत :-

(1) कट्टरपंथी विचारधारा के प्रोत्साहन में
Eg- कुरान वर्मा की हत्या पर

(2) समाज में बुरी आदतों के बढ़ावा देने में
Eg- 'विमल' पान मसाला का अक्षय कुमार द्वारा विज्ञापन

(3) राजनीति का अपराधीकरण के समाज में 'आस्था सिद्धांत' का महत्व
Eg- ADR की रिपोर्ट - 47% MPs लोकसभा में आपराधिक पृष्ठभूमि के सांसद

अतः वर्तमान में मूल्य आधारित शिक्षा तथा 'अहिंसात्मक कुटिलता' को बढ़ावा देकर अच्छे सामाजिक प्रभाव का समाज में योगदान सुनिश्चित किया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) Effective public service delivery demands a people-centric approach, which is built upon coordination and leverages technology. Discuss.
(150 words) 10

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है, जो समन्वय पर आधारित होता है और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। चर्चा कीजिए।

सार्वजनिक सेवा वितरण : सरकार द्वारा प्रदत्त सेवाओं का प्रशासनिक कार्यपालिका के माध्यम से वितरण

जनकेन्द्रित दृष्टिकोण की मांग

① सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देना
   eg> स्थानीय संस्थाओं को मजबूती प्रदान करना
② लोगों द्वारा बेहतर फीड बैक प्राप्त करना
   eg> सामाजिक अंकेक्षणों के माध्यम से ताकि Bottom-up Approach सुनिश्चित हो
③ बेहतर शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना
   eg> सिटीजन चार्टर को लागू करना
④ सार्वजनिक कार्यों में पारदर्शिता तथा जवाबदेहिता को बढ़ाना
   eg> RTS तथा लोकपाल अधिनियम

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रभावी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए प्रौद्योगिकी

लाभ :

① वित्तीय समावेशन के लिए eg जैम ट्रिनिटी (JAM)

② सुधारों का विकेन्द्रीकरण
eg जनशिकायत पोर्टल, mygov.in

③ प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) के माध्यम से लाभार्थ वितरण
eg पहल योजना, PM किसान सम्मान निधि

④ सार्वजनिक खरीद को सक्षम बनाना
eg GeM 2.0 पोर्टल, e-NAM

⑤ खनन आवंटन eg e-bidding के माध्यम से

अतः सार्वजनिक सेवा का बेहतर वितरण कर सायबो सिटीजन चार्टर एवं शिकायत निवारण तंत्र को प्रोत्साहित सुशासन का बेहतर ढांचा खड़ा किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

5. (b) Highlight the important teachings of Kautilya that are relevant to public services in 21st century India. (150 words) 10

कौटिल्य की उन महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए, जो 21वीं सदी के भारत में लोक सेवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

कौटिल्य मौर्यकाल का प्रभावी अर्थशास्त्री, राजनीतिशास्त्री तथा कूटनीतिज्ञाता था जो अपनी बहुज्ञता के कारण केवल तत्कालीन समय में प्रासंगिक था बल्कि वर्तमान समय में भी अपनी नीतियों के कारण महत्वपूर्ण है।

1) प्रशासन में 'साम - दाम - दण्ड - भेद' की नीति की उपयोगिता

(a) साम - बातचीत → भारत द्वारा विदेश नीति में सीमा विवादों को पंचशील समझौते के तहत हल करने वार्ता का प्रयोग

(b) दाम → (मूल्य का प्रयोग) - भारत soft power के रूप में लाइन ऑफ क्रेडिट का प्रयोग

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) दण्ड → कारगिल युद्ध में पाक द्वारा आक्रमण करने पर युद्ध (दण्ड का प्रयोग)

(v) भेद → भारत द्वारा अजीत डोभाल को पाकिस्तान में भेद जानने के लिए भेजा गया

② धर्म का राजनीति से पृथक्करण

(i) महात्मा गांधी की राजनीति में धर्म अर्थात नैतिकता का समावेश करते हैं

(ii) संविधान में पंथनिरपेक्षता की अवधारणा

कौटिल्य अपनी महत्ता के कारण कमजोर राजा को भी बेहतर नीतियों के माध्यम से उच्च स्थान प्राप्त करा सका वही नीतियाँ वर्तमान समय में भारत को 'विश्व गुरु' बनाने में सहायक हो सकती हैं।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "What counts in life is not the mere fact that we have lived. It is what difference we have made to the lives of others that will determine the significance of the life we lead." Nelson Mandela **(150 words) 10**

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने अपना जीवन जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो बदलाव लाया है, वह हमारे जीवन के महत्त्व को निर्धारित करेगा।" - नेल्सन मंडेला

किसी ने कहा है कि 'जीवन चाहे छोटा हो लेकिन अर्थपूर्ण होना चाहिए' अर्थात जीवन की उपलब्धियाँ आपके जीवन को सार्थक बनाती है

Ex राम के चरित्र को महान उनका समाज हित में किया गया कार्य बनाता है

Ex डॉ अब्दुल कलाम द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र में; परमाणु शक्ति के रूप में भारत को अग्रणी तथा बच्चों के राष्ट्रपति के रूप में याद रखा जाता है

Ex तुलसी गौड़ा तथा थिमक्का [illegible] पर्यावरण संरक्षण किया गया योगदान

Ex महात्मा गांधी का भारतीय स्वतंत्रता में योगदान

Scanned with CamScanner

Eg डॉ. अम्बेडकर का संविधान निर्माण में योगदान

Eg कारगिल युद्ध में भारतीय सीमाओं की रक्षा करते हुए सैनिकों का आहुत का योगदान (कारगिल दिवस के रूप में)

अतः जीवन को सामान्य की तरह न जीकर कर्तव्यपरायणता के माध्यम से जीना चाहिए चाहे वह एक लोक सेवक के तौर पर हो. या आम आदमी (Eg कैलाश सत्यार्थी, मदर टेरेसा, बाबा आम्टे) की तरह।

'जीवन की सार्थकता मनुष्य की सेवा में है।'

स्वामी विवेकानंद

— 4 —

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) "I care only for the Spirit - when that is right, everything will be righted by itself". Swami Vivekananda. (150 words) 10

"मुझे केवल मूल की परवाह है- जब वह सही होगा, तो सब कुछ स्वयं ही सही हो जाएगा।" - स्वामी विवेकानंद

भावनाएं (spirit) → मनुष्य के आंतरिक अंतरात्मा की आवाज से प्रेरित दिशा-निर्देश

यदि मनुष्य की अंतरात्मा सही तथा गलत की पहचान करने में सक्षम हो तो उसके ऊपर बाह्य दबावों का प्रभाव भी निरर्थक है जैसे—

Eg मोहम्मद शरीफ द्वारा अनेक लावारिस dead bodies का अंतिम संस्कार किया गया।

वहीं यदि मनुष्य की भावना, प्रतिशोधात्मक उपागम (Retributive Approach) से संचालित है तो फिर समाज में अराजकता फैलेगी जैसे :—

Eg भीड़ हिंसा (व्यापक विरोध के कारण) → कानून को शासन की अवहेलना

Scanned with CamScanner

गांधी जी भी कहते हैं यदि एक आँख के बदले आँख की भावना होगी तो सारा विश्व समाप्त हो जाएगा।

अतः वर्तमान समय वर्धा योजना की 'नई तालीम' का समय है जहाँ बुद्धि के साथ-साथ हृदय पक्ष को भी शिक्षित करना आवश्यक है।

(ii) नई शिक्षा नीति 2020 में मूल्य आधारित शिक्षा का प्रावधान रखकर मूल्यों का समावेशन समाज की मूल spirit को सही रखकर एक 'good will chain' को प्रोत्साहित कर सकता है।

—*—

Scanned with CamScanner

6\. (c) "True peace is not merely the absence of tension; it is the presence of justice." Martin Luther King Jr

(150 words) 10

"वास्तविक शांति केवल तनाव की अनुपस्थिति नहीं है; बल्कि यह न्याय की उपस्थिति भी है।" - मार्टिन लूथर किंग जूनियर

मार्क्स के अनुसार लोकतंत्र में स्थित शांति केवल आभासी शांति है क्योंकि जब तक साम्यवाद (जहाँ सबको समान अधिकार मिले) की स्थिति नहीं आती तब तक वह वास्तविक शांति नहीं है।

न्याय अर्थात समानता, आर्थिक, राजनीतिक आधार पर सम वितरण होगा। इसकी अनुपस्थिति में शांति संभव नहीं है।

(i) युधिष्ठिर द्वारा दुर्योधन के अवैध कब्जे के खिलाफ महाभारत

(ii) वर्साय की संधि के बाद द्वितीय विश्व युद्ध का होना

उपरोक्त उदाहरण न्याय की अवहेलना।

Scanned with CamScanner

anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

से उपजी स्थायी शांति का परिणाम थी

अतः जॉन रॉल्स की 'न्याय थ्योरी' तथा 'सुधारात्मक अप्रोच' के माध्यम से लोगों संसाधनों का वितरण कर वास्तविक शांति प्राप्त की जा सकती है।

'न्याय' की भावना का नागरिकों में समाहित होना जॉन लॉक के 'अधिकार आधारित दृष्टिकोण' तथा हॉब्स की 'सामाजिक संविदा थ्योरी' को संपूर्णता से पहुँचाने की कोशिश करता है ताकि गांधी जी की 'रामराज्य' की अवधारणा का 'eutopia' धरातल पर लाया जा सके।

—◆

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्द):

7. You have recently graduated from college and are now preparing for the civil services examination. While reading the newspaper, you come across a news report of a Non-Governmental Organisation (NGO), working for child rights, challenging a provision of the Juvenile Justice Act, 2015, in the Supreme Court of India. The said provision provides for the option of Children in Conflict with Law (CCL) to be tried as adults under certain circumstances. The NGO's plea is that children are not able to understand the gravity of crimes. It has also contended that the criminal acts committed by children are a reflection of failure of the society to take care of its children. In the context of this situation, as a young aspirant, answer the following questions:

(a) What are the possible factors that can drive a child towards committing heinous crimes?

(b) Is it ethical to punish children as adults rather than giving them a chance for reformation? **(20)**

आपने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और अब आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाचार पत्र पढ़ते समय, आप बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की एक खबर के बारे में पढ़ते हैं, जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के एक उपबंध को चुनौती दी गई है। उक्त उपबंध कुछ परिस्थितियों में कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों (CCL) पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के विकल्प का प्रावधान करता है। उस NGO की दलील है कि बच्चे अपराधों की गंभीरता को समझने में सक्षम नहीं होते हैं। NGO ने यह भी तर्क दिया है कि बच्चों द्वारा किए गए आपराधिक कृत्य अपने बच्चों की देखभाल करने में समाज की विफलता का प्रतिबिंब हैं। उपर्युक्त परिस्थिति के संदर्भ में तथा एक युवा अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) वे कौन-से संभावित कारक हैं जो एक बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

(b) क्या बच्चों को सुधार का एक मौका देने के बजाय उन्हें वयस्कों के रूप में दंडित करना नैतिक है?

NCRB - 2019 के आंकड़ो के मुताबिक

बच्चों द्वारा जघन्य अपराध करने की दर में

anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

~30% वृद्धि देखी गयी है। यह एक अति चिंतनीय विषय है। लेकिन प्रतिशोधात्मक न्याय (Retributive justice) के माध्यम से कानूनों में संशोधन कर बालकों को अपराधी मुकदमा चलाना बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन माना जाता है।

ⓐ कारक जो बच्चों को जघन्य अपराध के लिए प्रेरित करते हैं।

① गरीबी → बच्चों की सामाजिक परवरिश तथा बेहतर शिक्षा में कमी।

② बढ़ता शहरीकरण → प्रवासियों की संख्या में बढ़ोतरी जिससे शहरी Slums (लगभग 450 million लोग) में वृद्धि

③ मादक पदार्थों की सुलभ पहुंच.. व्यसन की लतें बच्चों तक

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ मत लिखें)

(4) राजनीति का अपराधीकरण तथा आपराधिक न्याय प्रणाली की लचर व्यवस्था

(5) हिंसा आधारित मनोरंजक फिल्मों का बालमन पर प्रभाव

(6) परिवार में होने वाली घरेलू हिंसा को observational learning के माध्यम से सीखना

(7) peer pressure → बच्चों के समूह में साथी बच्चों के माध्यम से दबाव

(8) 'बढ़ता बाल श्रम (भारत में 10 million से भी अधिक बालश्रमिक)' जिससे बच्चों के लगाव में कमी

(9) संयुक्त परिवारों का विघटन

आदि प्रमुख कारक हैं।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

(b) बच्चों को व्यस्कों के समान दंडित करने के खिलाफ तर्क —

① गांधी जी के अनुसार बुरे से बुरे इंसान में भी सुधार की गुंजाइश होती है अतः सुधारात्मक दृष्टिकोण का पालन करना चाहिए।

② बच्चों की आपराधिक प्रवृत्ति का प्रमुख कारण सामाजिक परिवारिक भी है अतः बेहतर सामाजिक वातावरण बच्चों के बचपन (childhood) को बेहतर बना सकता है।

③ दंडात्मक उपाय बच्चों की मूल समस्या से भटकाने वाला है। क्यों कि मूल समस्या बच्चों का बचपन छिनने की है अतः बेहतर शिक्षा की पहुंच समस्या का समाधान होना चाहिए न कि दंडात्मक उपाय

Scanned with CamScanner

विपक्ष में तर्क:-

① कानून का पालन बनाए रखना क्योंकि जघन्य अपराधों को IPC में सजा का प्रावधान

② कांट की नीतिशास्त्र के अनुसार मनुष्य का वस्तु के रूप में उपयोग नहीं बच्चे द्वारा अपराध किसी अन्य मनुष्य के अधिकारों का हनन अतः दण्ड आवश्यक है

③ 'Common good Approach' के माध्यम से समाज में सौहार्द बना रहे, भीड़हिंसा न हो इसलिए दंड की आवश्यकता है

संतुलनकारी अप्रोच के माध्यम से मेरे अनुसार बच्चों की मानसिक अवस्था को ध्यान रखते हुए सुधारात्मक Approach पर अधिक ध्यान देना चाहिए न कि 'प्रतिशोधात्मक दृष्टिकोण' पर।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

8. You are a CEO-founder of an edTech company. You are under tremendous pressure from the investors in your company to increase the profitability of the company and undertake downsizing. After making a few bad acquisitions, the company's finances have taken a huge hit in the last couple of years. The downsizing is suggested with the hope that the company's profitability would rise, as it often does when mass

layoff or downsizing decisions are carried out. Moreover, the investors have hinted that such measures would attract further investment from them, which has come as a ray of hope considering the ongoing volatile market conditions and slowdown in big-ticket fundings. Given the situation, rumors of unscrupulous firing have started doing the rounds among employees. It has increased apprehensiveness and reduced cohesiveness among them. You have informed the investors that the cost cutting exercise can affect the output as well as reputation of the company in the long-run. However, they are adamant to pursue the same.

(a) Identify the stakeholders and ethical issues involved in the case.

(b) You and the HR team have identified some options and are deliberating to put them across to the investors for consideration. Discuss the merits and demerits of each of these:

(i) Identifying key high performers and offering them suitable positions before implementing the layoff decision.

(ii) Putting the terminated employees on retainer to work part-time.

(iii) Executing the lay off order in the same spirit as it was asked by the investors and letting them deal with the long-term consequences.

(iv) Improving the perception of fairness among the existing and terminated employees and moving ahead with the layoffs.

(c) Without restricting yourself to the above options, discuss the course of action you will take, and provide adequate reasons for the same.

(20)

आप एक एडटेक कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने और छंटनी (डाउनसाइजिंग) करने के लिए आपके ऊपर कंपनी के निवेशकों का जबरदस्त दबाव है। कुछ खराब अधिग्रहण करने के बाद, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में भारी गिरावट आई है। ऐसे में छंटनी का सुझाव कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि की उम्मीद के साथ दिया गया है, क्योंकि सामान्यतः बड़े पैमाने पर छंटनी के निर्णय से लाभप्रदता बढ़ती है। इसके अलावा, निवेशकों ने संकेत दिया है कि इस तरह के उपायों के परिणामस्वरूप वे कंपनी में और अधिक निवेश कर सकते हैं, जो बाजार में चल रही अस्थिर स्थितियों एवं अधिकाधिक फंडिंग में कमी को देखते हुए आशा की किरण के रूप में हैं। इस स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों के बीच बेवजह नौकरी से हटाये जाने की अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। इन सब बातों ने उनके बीच आशंका को बढ़ाया है और एकजुटता को भी कम किया है। आपने निवेशकों को सूचित किया है कि लागत में कटौती के प्रयास से कंपनी के उत्पादन के साथ-साथ दीर्घावधि में प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, वे इसी उपाय को अपनाने पर अड़े हुए हैं।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपने और HR टीम ने निम्नलिखित कुछ विकल्पों की पहचान की है तथा उन्हें विचार के लिए निवेशकों के सामने रखने की सोच रहे हैं। इनमें से प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए:

(i) छंटनी के फैसले को लागू करने से पहले उच्च प्रदर्शन करने वाले अग्रणी कर्मचारियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त पदों की पेशकश करना।

(ii) हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट-टाइम काम करने के लिए रिटेनर के तौर पर रखना।

(iii) छंटनी के आदेश को उसी भावना से निष्पादित करना जैसा कि निवेशकों द्वारा कहा गया था और उन्हें दीर्घकालिक परिणामों से निपटने की अनुमति देना।

(iv) मौजूदा और हटाये गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छंटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।

(c) स्वयं को उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना, आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा कीजिए और उसके लिए पर्याप्त कारण बताएं।

निजी कंपनियाँ 'लाभप्रदता के सिद्धांत' पर कार्य करती हैं जो कि कंपनी के हितधारकों के लाभ को अधिकतम करने पर आधारित हैं।

(a) शामिल हितधारक

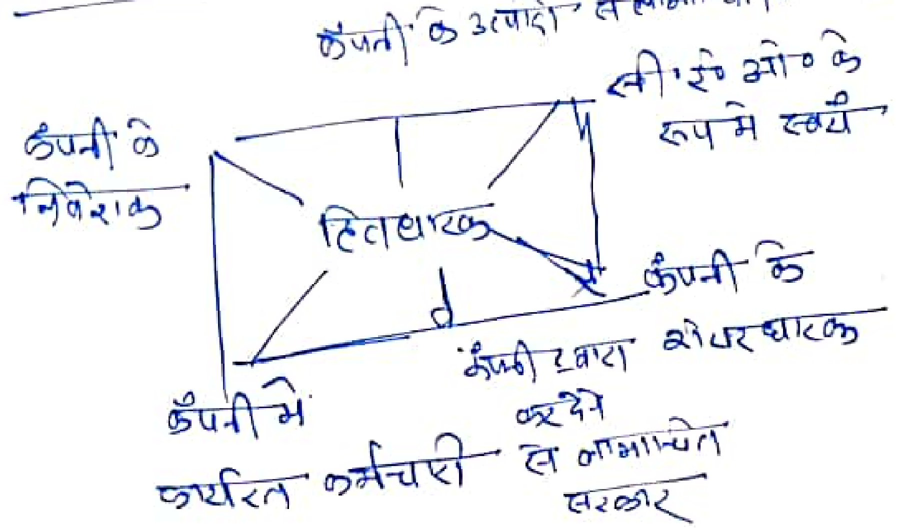

Scanned with CamScanner

शामिल नैतिक मुद्दे →

① कंपनी की लाभप्रदता v/s कर्मचारियों की आजीविका

क्योंकि छंटनी से आजीविका पर संकट

② कंपनी के लिए वित्तीय लाभ v/s कंपनी की सामाजिक प्रतिष्ठा

लागत कम होने से प्रतिस्पर्धा में प्रतिष्ठा समाप्त

③ Corporate ethics v/s social ethics

↓

कॉरपोरेट ethics कंपनी के हितधारकों का लाभ अधिकतम वहीं सामाजिक नैतिकता कर्मचारियों के हितों का संरक्षण

④ अंतरात्मा का संघर्ष - स्वयं CEO के रूप में कंपनी के कर्मचारियों को निकालने तथा निवेश प्राप्त संबंध में उलझा हुआ

⑤ (i)

गुण	दोष
— कंपनी के लिए बेहतर कर्मचारियों की उपलब्धता	— चयन प्रणाली से अन्य कर्मचारियों के योगदान को कम आंकना

Scanned with CamScanner

(ii) पार्ट-टाइम जॉब की अवधारणा

गुण	दोष
- आजीविका का संकट कुछ समय के टल सकता है।	- अस्थायी समाधान पूर्ण समाधान का विकल्प नहीं हो सकता
- कंपनी के उत्पादन में कमी नहीं आएगी	- कर्मचारियों के मन में कभी भी निकाले जाने का भय - जो उनके उत्पादन की क्षमता को कम कर सकता है
- कंपनी की प्रतिष्ठा बनी रहेगी	

(iii) निवेशकों की बात मानकर छंटनी करना

गुण	दोष
- कंपनी में वित्तीय निवेश को बढ़ावा	- कर्मचारियों की छंटनी उत्पादन कम कर सकती है जिससे कंपनी की प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है
- कंपनी में निवेशकों का भरोसा बढ़ सकता है।	

anything this margin
(इस भाग में कुछ मत लिखें)

(iv) निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि तथा हड़ताल करना

गुण	दोष
- निष्पक्षता से कर्मचारियों में कंपनी की नीति व कार्यप्रणाली में विश्वास बना रहेगा	- हड़ताल से निकले गए कर्मचारियों की गरिमा व आजीविका संकट

(c) उपर्युक्त विकल्पों के अलावा एक सीईओ के तौर पर मेरे द्वारा खराब आयोजना से संबंधित हुए नुकसान की एक वस्तुनिष्ठ रिपोर्ट तैयार कर उसको कंपनी की बोर्ड में प्रस्तुत करूंगा ताकि खराब आयोजना तथा खराब वित्तीय स्थिति के कारणों का न्यायसंगत तरीके से पता लगाया जा सके। यदि इसके बाद भी कंपनी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

के शेयरधारक छँटनी के लिए दबाव बनाते हैं तो छँटनी को एकाएक न कर क्रमबद्ध तरीके से करने का प्रस्ताव रखा जाएगा ताकि कंपनी के उत्पादन पर प्रभाव कम से कम हो।

कंपनी के कर्मचारियों के लीडर से बात कर उन्हें भविष्य में कंपनी को बेहतर वित्तीय स्थिति में, नव देने प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाएगी, का आश्वासन दिया जाएगा ताकि कंपनी के कर्मचारियों को कंपनी के प्रति विश्वास बना रहे और वर्तमान में कंपनी की छवि में भी कमी न हो। यही 'Corporate ethics' के भी अनुकूल सर्वोत्तम विकल्प होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. There is an ongoing ethnic civil war in a neighbouring country. The conflict has caused massive displacement of people from the country. Ironically, the developed countries have closed off their borders to the refugees on account of the COVID-19 pandemic, resource competition, domestic politics etc. With countries sealing off their borders, the refugees are left in a vulnerable situation and many are taking illegal routes to enter your country. As a Senior Official of your country's Ministry of External Affairs, you have been involved in discussions with officials of other nations and are entrusted with the mandate to design a national policy to safely accommodate India bound refugees. In this context, answer the following questions:

(a) Discuss the moral issues related to the rights of international refugees, especially those from conflict-torn regions.

(b) What recommendations would you suggest given the large influx of refugees in India. (20)

एक पड़ोसी देश में नृजातीय गृह-युद्ध जारी है। यह संघर्ष उक्त देश से लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन गया है। विडंबना यह है कि विकसित देशों ने कोविड-19 महामारी, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, घरेलू राजनीति आदि के कारण शरणार्थियों हेतु अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। देशों द्वारा अपनी सीमाओं को बंद करने के कारण शरणार्थियों की स्थिति असुरक्षित हो गई है और वे आपके देश में प्रवेश करने के लिए कई अवैध मार्ग अपना रहे हैं। अपने देश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप दूसरे देशों के अधिकारियों के साथ चर्चा में शामिल रहे हैं और आपको भारत में रहने वाले शरणार्थियों को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थियों, विशेष रूप से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से आने वाले शरणार्थियों, के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए आप क्या सुझाव देंगे।

UNDP की रिपोर्ट के अनुसार युद्ध से विस्थापित शरणार्थियों की संख्या विश्व भर में 25 million से भी अधिक है जो कि एक भयावह स्थिति को प्रदर्शित करता है।

(a) संबंधित नैतिक मुद्दे →

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. मानव अधिकारों का उल्लंघन - टैगोर की नीतिशास्त्र के अनुसार मानव परिप्रेक्ष्य में समानता के भाव से अपनाया जाना चाहिए

2. कांट नीतिशास्त्र के अनुसार मनुष्य को साधन रूप मे प्रयोग नहीं होना चाहिए, का उल्लंघन

3. हॉब्स की 'social contract theory' का उल्लंघन; राज्य द्वारा मानवों के अधिकारों का संरक्षण नहीं

4. वैश्विक संस्थाओं (UNSC तथा UNGA) की विफलता भी वैश्विक सौहार्द को बिगाड़ सकता है।

5. राष्ट्रवाद की संकीर्ण अवधारणा भी वैश्वीकरण के युग में अनुचित प्रतीत होती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) भारत में अवैध शरणार्थियों के आगमन के संबंध में सुझाव —

* भारत 'अतिथि देवो भव' तथा 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा वाला देश है अतः इसी आधार पर मानवतावादी दृष्टिकोण अपनाने पर जोर

* विदेश नीति में राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होता है तथा संसाधनों पर अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि से दबाव पड़ता है अतः वैश्विक संस्थाओं से अनुरोध या दबाव बनाकर अन्य देशों में भी अस्थायी प्रवास की व्यवस्था करवाई जाए

* जिन अवैध प्रवासियों को भारत स्थान दे सकता है उनके लिए अस्थायी भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कर आवश्यक जरूरतों की पूर्ति

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ न लिखें)

* अवैध प्रवासियों के बेहतर प्रबंधन के लिए राज्य सरकारों से बेहतर समन्वय करना ताकि अनावश्यक संघर्ष ना हो।

* भारत द्वारा अवैध प्रवासी आधार संबंधी नीति बनाना चाहिए। वैश्विक स्तर पर शरणार्थी संबंधी व्यापक अभिसमय को पुनर्गठन करना।

* अवैध प्रवासियों की आवश्यक मॉनिटरिंग करने के लिए एक oversight body का निर्माण करना ताकि अराजकता न फैले।

एक राष्ट्रीय एकता के हितों को सर्वोपरि रखते हुए भारत को

Don't write anything in this margin

रोहिंग्या मुद्दे की तरह पड़ोसी देशों से अस्थायी शरण देने की अपील करना ताकि इस मुश्किल क्षणों में 'मानवतावादी दृष्टिकोण' अपनाया रखा जा सके।

जब वापस भेजने लायक हो जाए तो अवैध प्रवासियों को पहचान कर उनको एक मूल देशों में बेहतर आकलन सोचों के माध्यम से वापस भेजने की व्यवस्था करना।

यथार्थवादी दृष्टिकोण के तहत भारत को अवैध प्रवासियों के मुद्दे में राष्ट्रीय हितों को भी प्रमुखता दी जानी चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Social interactions where a person is addressed by their correct name and pronouns, consistent with their gender identity, are widely recognized as a basic and yet critical aspect of gender affirmation. A national university invited speakers for a discussion on rights of sexual minorities in India. The panel included speakers representing a wide variety of opinions and perspectives on the issue. The debates, though largely peaceful, witnessed a controversy. A college association representing sexual minorities took offence against a panellist who cautioned against self-identification by sexual minorities and the liberal use of pronouns. The association reached out to the media and the localised controversy soon turned into a national issue across news networks and social media. The association demanded that the panellist apologise for his views and issue a public statement in this context. The panellist, on the other hand, seemed unmoved by the issue. In the meantime, the University has come under huge pressure to resolve the issue. The Vice Chancellor set up a Committee to look into the matter and its peaceful resolution. You have been appointed as the Chairperson of the Committee. In this regard, answer the following questions:

(a) Discuss the various moral issues involved in the case.

(b) Keeping the right to freedom of speech and expression in mind, highlight the steps you would take to resolve the issue and list arguments in support. (20)

सामाजिक संपर्क, जहां व्यक्ति को उनके सही नाम एवं सर्वनाम द्वारा और उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप संबोधित किया जाता है, को व्यापक रूप से लैंगिक पुष्टि के एक बुनियादी और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्तर के एक विश्वविद्यालय ने भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया है। उस पैनल में इस मुद्दे पर विभिन्न प्रकार की राय और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता शामिल थे। हालांकि, वहां की गई चर्चा काफी हद तक शांतिपूर्ण थी, लेकिन इसमें एक विवाद भी उत्पन्न हुआ। लैंगिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कॉलेज एसोसिएशन ने लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा आत्म-पहचान और सर्वनामों के उदार उपयोग के खिलाफ चेतावनी देने वाले एक पैनलिस्ट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शित किया। उस एसोसिएशन ने मीडिया के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया और स्थानीय विवाद जल्द ही समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय मुद्दे में बदल गया। उस एसोसिएशन ने मांग की कि वह पैनलिस्ट अपने विचारों के लिए माफी मांगे और इस संदर्भ में एक सार्वजनिक बयान जारी करे। दूसरी ओर, वह पैनलिस्ट इस मुद्दे से अप्रभावित था। साथ ही, विश्वविद्यालय पर मामले को सुलझाने का भारी दबाव है। कुलपति द्वारा मामले की जांच करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आपको समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को हल करने के लिए आप जो कदम उठाएंगे उसे रेखांकित कीजिए और समर्थन में तर्क दीजिए।

Scanned with CamScanner

Sexual minorities जनगणना 2011 के अनुसार लगभग 30000 से अधिक संख्या है तथा इनका शैक्षिक स्तर 1% से भी कम रही बेरोजगारी की प्रतिशतता लगभग 93% है। अतः हाल ही में नवतेज सिंह जौहर मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा IPC की धारा 377 को असंवैधानिक करार देकर हटाकर एक प्रगतिशील निर्णय दिया है।

(a) शामिल नैतिक मुद्दे :-

1. नीतिशास्त्र को 'अधिकार आधारित दृष्टिकोण' तथा 'Common good Approach' का उल्लंघन नहीं समान के नागरिक को स्वप्रमाण का अधिकार नहीं।

2. जॉन लॉक तथा हॉब्स की 'सामाजिक कॉन्ट्रैक्ट थ्योरी' का उल्लंघन नहीं

Scanned with CamScanner

समाज में राज्य द्वारा sexual minorities का अधिकार सुरक्षित नहीं

③ सामाजिक न्याय की अवधारणा का उल्लंघन जब किसी व्यक्ति को नाम से बताए सर्वनामों से पहचाना जाए

④ मानवाधिकारों का उल्लंघन $\frac{1}{6}$ वाक् व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता → संविधान का अनुच्छेद 19(1)(a) भी इस स्वतंत्रता पर 19(2) के तहत मानहानि पर युक्तियुक्त निर्बंधन लगाता है।

⑤ live with dignity (आत्मसम्मान के साथ रहने के अधिकार का उल्लंघन)

⑥ कांट की नीतिशास्त्र का उल्लंघन जहाँ मनुष्य को साधन के रूप में नहीं बल्कि साध्य के रूप में होना चाहिए।

Scanned with CamScanner

(b) ताकू व आधिकारियों की संवेदना के लिए मुद्दे से संबंधित दृष्टिकोण -

① सबसे पहले सभी हितधारकों को समिति के समक्ष अपनी बात को रखने का मौका दिया जाएगा।

② सभी हितधारकों की बात सुनने के पश्चात् संवैधानिक तथा सांविधिक तथ्यों की जांच की जाएगी क्या यह किसी का उल्लंघन करता है। (ट्रांसजेंडर (अधिकार तथा भेदभाव निवारण) अधिनियम 2017)

③ यदि उल्लंघन करता है तो संबंधित College Association को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने संबंधी अधिकारी की नौकरी) (Persuasion तथा भावनात्मक बुद्धिमता का प्रयोग करना)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) यदि नहीं तो भी किसी मानव को उसके नाम से न बुलाकर सर्वनामों से सम्बोधित करना मानवाधिकारों का उल्लंघन है अतः collage Associatn को भविष्य में ऐसा न करने के लिए चेतावनी दी जाएगी साथ उन्हें इस मामले पर आवश्यक कार्यवाही के लिए कहा जाएगा।

भविष्य में ऐसी घटनाएं कॉलेज परिसर में न हो इसके लिए sexual minorities के अधिकारों के लिए कॉलेज में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा ताकि सभी मनुष्यों को मनुष्य होने का अहसास कराया जा सके।

Scanned with CamScanner

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are a young athlete representing India at an international-level competition. To your surprise, during the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are aware that if these players get caught in a doping test, it may damage India's reputation. You are confused and afraid of the repercussions and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug on the advice of the coach himself.

(a) What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

(b) What are the reasons behind the use of performance enhancing drugs in competitive sporting events? How can this practice be minimized?

(20)

आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक युवा एथलीट हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आप प्रतियोगिता के दौरान कुछ वरिष्ठ एथलीटों को गुप्त रूप से सिरिंज का उपयोग करके कुछ इंजेक्शन को लगाते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे समझाते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली एक दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप जानते हैं कि यदि ये खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फंस जाते हैं तो इससे भारत की साख खराब हो सकती है। आप दुविधा में हैं और इसके परिणामों से डरते हैं। साथ ही, आप इस घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का फैसला करते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट कोच की सलाह पर इस दवा को ले रहे हैं।

(a) इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए।

(b) प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिता के आयोजनों में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रथा को कैसे कम किया जा सकता है?

Sport ethics खेल नैतिकता का मानना है कि एक 'स्वस्थ परिवेश' में 'स्वस्थ नियमों' के माध्यम से 'स्वस्थ प्रतिस्पर्धा' का आयोजन हो। ताकि सभी खिलाड़ियों

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

को खेल के मैदान में अपने पराक्रम का
लाभ समान स्तर पर प्राप्त हो सके।

. शामिल प्रमुख हितधारक :

(1) स्वयं एथलीट के रूप में मैं
(2) वरिष्ठ एथलीट जो दवा का सेवन
(3) कोच जो उनको सलाह दे रहे हैं।
(4) राष्ट्र की छवि

(a) इस परिदृश्य में मेरे समक्ष उपलब्ध विकल्प
और कारवाई की रूपरेखा :—

(1) जैसा चल रहा है वैसा चलने दे ताकि
भारत को खेल प्रतिस्पर्धा में बेहतर
स्थान मिले।

गुण	दोष
• भारत प्रतिस्पर्धा में विजयी, मेडल की संभावना	० खेल नैतिकता के विपरीत

Scanned with CamScanner

• कोच का समर्थन भी हासिल होगा जो भविष्य में करियर growth के लिए आवश्यक	• मामला सामने आने पर राष्ट्र की छवि धूमिल होगी • खेल भावना के विपरीत • अंतर्राष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन

(2) इस मामले का संज्ञान लेते हुए तुरंत भारतीय खेल प्राधिकरण के वरिष्ठ सचिवों को सूचना के बारे में अवगत करवाना ताकि समय पर गलत कार्य को रोका जा सके।

गुण	दोष
(1) खेल नैतिकता के संगत (2) अंतर्राष्ट्रीय नियमों का पालन (3) भारत की छवि भी	(1) हो सकता है भारत प्रतिस्पर्धा में मेडल ना जीत सके। (2) कोच की नज़रों

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बनी रहेगी	मे गिरता तो भविष्य में कैरियर को खत्म कर सकता है।

यदि भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा भी कोई रुझान नहीं लिया जाता है तो मेरे द्वारा खेलो का आयोजन करने वाली संस्था से इस संबंधी मामलों की सूचना देकर जांच समिति के माध्यम से जांच का निवेदन किया जाएगा ताकि किसी भी खिलाड़ी के साथ खेलों में असमान व्यवहार न हो।

(b) प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे कारण :—

(1) प्रतिस्पर्धा में जीतने का अत्यधिक दबाव क्योंकि हारने वाले को न सम्मान प्राप्त होता है और न ही

Scanned with CamScanner

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

आर्थिक मूल्य

(2) दवाओं का सहज तरीके से उपलब्ध होना

कम करने के उपाय:

(1) प्रतिस्पर्धा में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को आर्थिक व सामाजिक सम्मान देना चाहिए

(2) स्कूली पाठ्यक्रमों में खेल नैतिकता के विषय को सम्मिलित करना

(3) प्रतिस्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को पूर्व में पदक जीत चुके खिलाड़ियों से वार्तालाप कर प्रेरणा प्रदान करना

(4) NADA तथा WADA जैसी डोपिंग रोधी एजेंसियों को सशक्त करना

खेल ही व्यक्ति के संपूर्ण विकास को बढ़ावा देता है अतः हमें खेल की मर्यादा को भी बनाए रखना चाहिए

12. You have been newly appointed as the District Magistrate of a district, which is known for its rich mineral deposits. Following the news being circulated in the media about the illegal mining in your district, you have initiated an enquiry into it. When the State's Minister of Mines and Minerals gets to know of the enquiry initiated by you, he directs you to name some junior government employees as being involved in the wrongdoing and make them scapegoats. He also points out that elections to the State Assembly are around the corner and the present government wishes to stay clear of any political corruption. This Minister is a very influential figure in the present regime and there are high chances of the present ruling party being voted back to power. In due course of the enquiry, it has come to your notice that the said Minister has also been involved in illegal mining through his cronies.

The findings of the enquiry can affect the outcome of the elections as well as completely derail your career, if the incumbent party wins the elections, which looks very likely as per the polls.

Answer the following with reference to this case:

(a) Identify the stakeholders and the ethical issues in the given case.

(b) Critically evaluate the options in the given scenario and state your course of action, giving reasons. **(20)**

आपको एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाना जाता है। आपके जिले में अवैध खनन के बारे में मीडिया में खबर प्रसारित होने के बाद, आपने इसकी जांच शुरू कर दी है। जब राज्य के खान और खनिज मंत्री को आपके द्वारा शुरू की गई जांच के बारे में पता चलता है, तो वो आपको कुछ कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों पर गलत काम में शामिल होने का आरोप लगाने और उन्हें बलि का बकरा बनाने का निर्देश देते हैं। वह यह भी बताते हैं कि राज्य विधान सभा के चुनाव नजदीक हैं और वर्तमान सरकार किसी भी राजनीतिक भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहती है। वह मंत्री वर्तमान सरकार में एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति है और साथ ही, वर्तमान सत्ताधारी दल के सत्ता में वापस आने की बहुत अधिक संभावना है। जांच के क्रम में आपके संज्ञान में आया है कि उक्त मंत्री अपने साथियों के माध्यम से अवैध खनन में शामिल रहा है। यदि सत्ताधारी दल चुनाव जीत जाता है, जिसकी अनुमानों के अनुसार संभावना अधिक है, तो आपकी जांच के निष्कर्ष चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपके करियर को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) दिए गए परिदृश्य में उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए अपनी कार्रवाई का विवरण दीजिए।

नीति आयोग की रिपोर्ट India @75 में अवैध खनन के ~100% बढ़ने से संबंधित चिंताएँ व्यक्त की है। जिससे न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान पहुँचता है बल्कि पर्यावरण संबंधी जोखिम भी अधिक होने की संभावना रहती है।

(a) शामिल प्रमुख हितधारक

हितधारक
- → जिलाधिकारी के रूप में स्वयं मैं
- → मंत्री (राजस्थान)
- → अवैध खनन में शामिल कर्मचारी व अन्य लोग
- → सरकार जो राजस्व से वंचित
- → आम नागरिक जो वास्तविक संपदा के हकदार
- → व्यापक रूप से पर्यावरण भी जिसको अवैध खनन से नुकसान

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

शामिल नैतिक मुद्दे

1. Common good Approach → अवैध खनन से पर्यावरण नैतिकता (Environment ethics) को खतरा

2. John Rawl's की justice theory के विपरीत जहाँ केवल कुछ अल्पसंख्यक लोगो को फायदा

3. Conflict of Interest :→ खुद के कॅरियर के बारेमे सोचे या फिर सही तथ्यात्मक जाँच करे

4. Personal ethics v/s Professional ethics
   - Personal ethics ⇓ Promotion के बारे में
   - Professional ethics ⇓ ईमानदारी पेश करना

5. संवैधानिक नैतिकता :→ राजनेताओं द्वारा नीतिनिर्देशक तत्वों का उल्लंघन

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) उपलब्ध विकल्प :-

1) चूंकि राजनीतिक सत्ताधारी दल के वापस सत्ता में आने की संभावना अतः मंत्री की बात मान लेना।

गुण	दोष
• मंत्री का विश्वास जीतना • भविष्य में कैरियर विकास की संभावना	• सिविल सेवा के सत्यनिष्ठा, वस्तुनिष्ठता, probity जैसे मूल्यों का दमन • अंतरात्मा का संकट

2) मंत्री की बात को अनसुना कर तात्कालिक तथ्यों की जाँच करते हुए अपनी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को प्रेषित करना।

गुण	दोष
• सिविल सेवा के ईमानदारी मूल्यों का परिरक्षण • अंतरात्मा का संकट खत्म	• मंत्री के नाराज होने से यदि वापस सत्ता में

Scanned with CamScanner

- जनता का प्रशासन में विश्वास बढ़ेगा — आप तो करियर growth की संभावना कम

उपर्युक्त दोनों विकल्पों के गुण व दोषों के विवेचन के बाद यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सत्ताधारी दल के वापस सत्ता में आने की सिर्फ संभावना है यदि मेरे द्वारा वास्तविक तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश की जाती है तो जनता को चुनाव में 'सूचित निर्णय' लेने में आसानी होगी और उनके 'उम्मीदवार को जानने के अधिकार' की संरक्षा होगी और एक 'स्वस्थ चुनाव' से 'स्वस्थ लोकतंत्र' का विकास सुनिश्चित हो सकेगा।

— // —